|| हिंदी भाषा का विश्वस्तरीय ऑनलाइन ज्योतिष पोर्टल ||

विश्व प्रसिद्ध एस्ट्रोलॉजर द्वारा प्रदत्त **ज्योतिष** परामर्श

Horoscope Website : https://JyotishShastra.com
AstroShopper (Astro Products Online Super Store) **:** https://AstroShopper.in
Email : care@jyotishshastra.com
WhatsApp Direct Link : https://wa.me/919520039039

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Vikas Sharma	GENDER :	Male
DATE OF BIRTH :	18-09-1991	TIME OF BIRTH :	12:27 PM
CITY :	Aligarh	STATE :	Uttar Pradesh
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Lal Kitab Astrology	SERVICE NAME :	Detailed Red Book Horoscope Report
QUESTION(S) :	----------		
Address : 5/206 F-1 RAM NAGAR COLONY, I.T.I ROAD ALIGARH, BEHIND KETAN CONVENT SCHOOL, SUMMER SABLE WALI GALI, K.P SHARMA NETA JI, BIJHERA HOUSE			
Mobile No. : 8218584545		Email ID : rv088990@gmail.com	
ORDER ID : #1086	PAYMENT ID : 318946950	AMOUNT : ₹990	
Order Date : 03/05/2020	Delivery Date : 07/05/2020	GSTIN : ####	

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	वृश्चिक
चंद्र राशि :	धनु
ईष्ट देव :	शिव

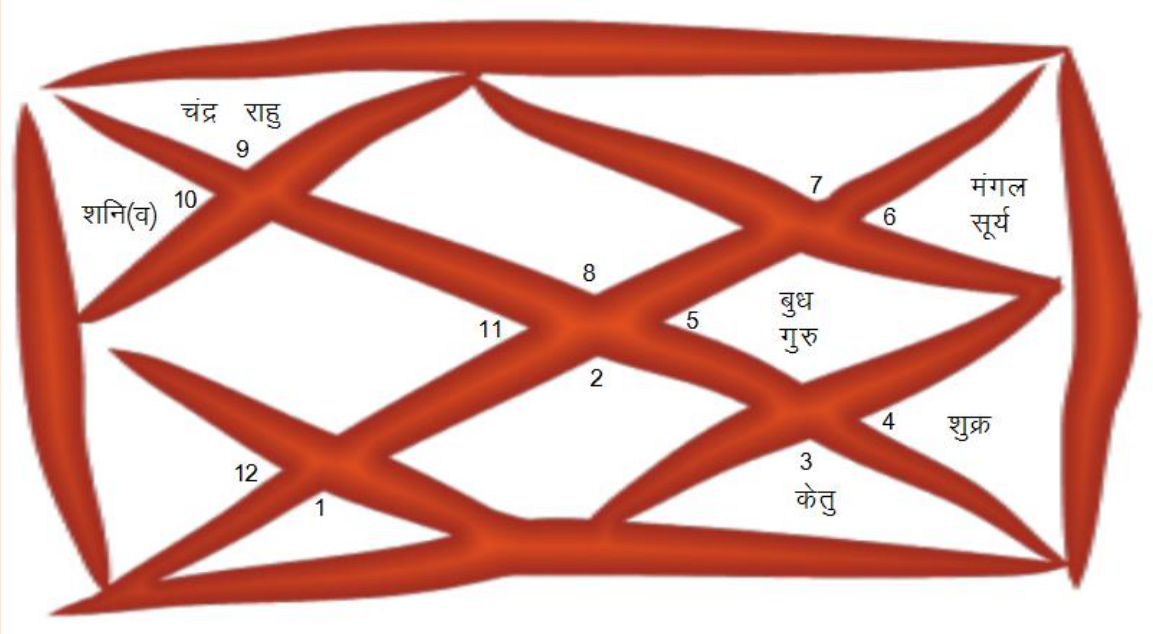

ॐ श्री गणेशाय नमः

कुंडली फलादेश :

श्रीमान विकास शर्मा जी आपकी जन्म कुंडली अनुसार आपके भीतर आत्मविश्वास की कोई कमी नहीं होगी | आप सदा अपनी इच्छाओं की पूर्ती हेतु उनके पीछे भागते रहते हैं | अपने साथ वालों से बहस करना आपको अत्यधिक प्रिय है | आपका शरीर अधिक बलिष्ठ नहीं होगा | आप अपने मित्रों से कुछ दूरी बनाकर चलने वाले हैं | आपके शत्रु आपके मित्रों से अधिक होंगे | आपके शत्रु आपको हानि पहुंचाने के लिए सदैव मौके की तलाश में रहते हैं | आपके भीतर क्रोध की कुछ अधिकता है | आप अपनी सम्पूर्ण शक्ति अपने प्रोफेशन में खर्च करने वाले हैं | नेतृत्व करने की इच्छा तो रहती है परन्तु सही से क्रियान्वित करने में समस्या आती हैं | आपका जीवन शंघर्षपूर्ण है | कठिनाइयां आपके सम्मुख सदैव बाहें पसारे खड़ी रहती हैं | आपको जीवन में ऐच्छिक चीजें कठिन परिश्रम एवं संघर्ष के पश्चात ही प्राप्त होंगी किन्तु संघर्ष के पश्चात प्राप्त अवश्य होंगी | आप भिन्न भिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन विशेषकर मीठा खाने के अत्यंत शौक़ीन है | घर - परिवार से सम्बंधित उथल पुथल आपको आक्रांत रखती हैं |

शिक्षा, करियर एवं व्यवसाय :-

आपके उप्पर बृहस्पति जी की असीम कृपा है जिसके कारण आप उच्च स्तर की शिक्षा ग्रहण कर पाने में सक्षम होंगे | आप अल्प प्रयास करने से ही रिसर्च के क्षेत्र में भी जा सकते हैं | आप शिक्षा, लेखन, यांत्रिकी के क्षेत्र को अपने व्यवसाय के रूप में चुनेंगे तो अत्यधिक सफल होंगे | बृहस्पति देव से सम्बंधित कार्यक्षेत्र आपको उत्तम धन समृद्धि वैभव प्रदान करेंगे | प्रयास करने पर सरकारी नौकरी प्राप्ति के भी योग हैं किन्तु सरकारी नौकरी की प्राप्ति एवं उसको भली भाँती चलाने हेतु सूर्य देव को बल प्रदान करना आवश्यक है अन्यथा सरकारी नौकरी प्राप्त हो भी गई तो उसमें कठिनाइयां आती रहेंगी | अगस्त 2032 से आपको करियर एवं व्यवसाय में वृद्धि प्राप्त होगी |

वैवाहिक जीवन :-

आपकी पत्नी के स्वभाव में कुछ रूखापन झलकता है | विवाह के पश्चात पत्नी के माध्यम से आपकी समृद्धि के मार्ग खुलते है | विवाह के पश्चात आप खूब धन समृद्धि बनाएंगे किन्तु इसके लिए आपको अपनी पत्नी से सम्बन्ध मधुर रखने होंगे, आपको उन्हें सदैव प्रसन्न रखना होगा | पत्नी से मधुर सम्बन्ध आपकी उन्नति का आधार स्तम्भ हैं | पत्नी से मनभेद अथवा मतभेद आपकी समृद्धि में बाधक बनेंगे | पत्नी के साथ अत्यंत मीठे वचनो का प्रयोग करें उनकी गलतियों को बिन मांगे क्षमा करते रहे | आपको एक पुत्र एवं एक पुत्री प्राप्ति के योग हैं |

आपको अपनी आयु से अधिक आयुवर्ग की स्त्रियां भाति हैं परन्तु परस्त्रीगमन आपके वैवाहिक जीवन, स्वास्थ्य एवं व्यवसायिक जीवन की सुखता समृद्धता की दृष्टि से निषेध है |

धन संपत्ति :-

आपको जीवन में धन संपत्ति संघर्ष के पश्चात मिलेगा किन्तु यदि संघर्ष दृढ़ता से किया तो मिलेगा अवश्य ही और खूब मिलेगा | माता, पत्नी, पत्नी की माता के साथ आपके सम्बन्ध आपके धन संपत्ति की मात्रा का निर्धारण करेंगे | जैसे कर्म करेंगे वैसे फल पाएंगे | मांस मदिरा का सेवन, अनैतिक सम्बन्ध, मजदूर वर्ग का उत्पीड़न, सट्टा, जुआ, माता व् पत्नी से कटु सम्बन्ध आदि धन समृद्धि में हानि देंगे | सन 2032 के मध्य से आपका जीवन अचानक तीव्र गति से करवट बदलेगा आपकी आय, धन संपत्ति में तीव्र रूप से बढ़ोत्तरी प्रारम्भ होगी | आप परम आर्थिक सुख का अनुभव करेंगे किन्तु उप्पर लिखे वक्तव्यों का घ्यान रखें | जीवन के उत्तरार्ध में रोगों के उपचार में धन के एक भाग का व्यय होगा |

स्वास्थ्य :-

आप खाने पीने के अत्यंत शौक़ीन हैं | मीठी खाद्य वस्तुओं का सेवन आपको विशेषकर अत्यंत प्रिय है | आपका स्वास्थ्य अक्सर खराब बना रहता है | आपको त्वचा सम्बंधित रोग, डायबिटीज, हृदय, उच्च रक्तचाप, उदर सम्बंधित रोग, शरीर के निचले भाग के रोग आक्रांत रखेंगे | अतः आपको परामर्श दिया जाता है की आप अपने खान पान पर पूर्ण नियंत्रण रखें | परस्त्रीगमन न करें अन्यथा आपको जननांग के स्थान पर संक्रमण होने की संभावना है | आपको तेज गति से 2-4 किलोमीटर अथवा सामर्थय अनुसार प्रतिदिन घूमने का परामर्श दिया जाता है आप ध्यान एवं योग भी इसके साथ सम्मलित करेंगे तो आपको मानसिक रूप से दृढ़ता भी प्राप्त होगी क्यूंकि आपके मानसिक रोग, डिप्रेशन से भी ग्रस्त होने की संभावनाएं आपकी जन्म कुंडली में विद्यमान हैं |

विशेष उपाय :-

♦ आपकी कुंडली में सम्बन्धी ऋण है | इस कारण अक्सर सगे, सम्बन्धियों अथवा परिवार में कोई उत्सव होने पर सम्बन्धियों के कारण विघ्न बाधाएं आती हैं | अतः निवारण हेतु अपने सभी सम्बन्धियों से बराबर बराबर मात्रा में धन एकत्रित करें व उस धन को किसी ऐसे धर्मार्थ चिकित्साल्य को जो लोगों का मुफ्त इलाज करता हो दें अथवा उस धन से किसी धर्मार्थ चिकित्साल्य की आवश्यकतानुसार दवाइयां खरीदकर उन्हें रोगियों को मुफ्त बांटने हेतु दें |

♦ राहु ग्रह के मंत्र "ॐ भ्रां भ्रीं भ्रों स: राहवे नमः" का प्रतिदिन एक रुद्राक्ष माला (108 बार) जाप 16.08.2032 तक करें |

♦ शनि ग्रह के मंत्र "ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नमः" का प्रतिदिन एक रुद्राक्ष माला (108 बार) जाप 29.07.2022 तक करें |

♦ बुध ग्रह के मंत्र "ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं स: बुधाय नम:" का प्रतिदिन एक रुद्राक्ष माला (108 बार) जाप 27.04.2022 से 15.02.2025 तक करें |

♦ शुक्र ग्रह के मंत्र "ॐ द्रां द्रीं द्रौं स: शुक्राय नम:" का प्रतिदिन एक रुद्राक्ष माला (108 बार) जाप 26.12.2025 से 05.03.2029 तक करें |

♦ आपकी जन्म कुंडली में सरकारी नौकरी कठिन प्रयास करने पर प्राप्ति योग है साथ ही प्राप्ति के पश्चात उसे भली प्रकार चलाने हेतु भी सूर्य ग्रह को बल देना आवश्यक है अतः सूर्य ग्रह के मंत्र "ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं स: सूर्याय नमः" का प्रतिदिन एक रुद्राक्ष माला (108 बार) जाप 2025 तक करें |

रत्न निर्धारण :-

आपकी कुंडली अनुसार जीवन की विभिन्न समस्याओं के निवारण एवं सुख समृद्धि लाभ प्राप्ति हेतु आपको मूंगा, पुखराज एवं मोती धारण करने का परामर्श किया जाता है |

मूंगा रत्न धारण करने की की विधि

मंगल देव के रत्न, मूंगे को स्वर्ण या ताम्बे की अंगूठी में जड़वाकर किसी भी शुक्ल पक्ष के मंगलवार को सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | इसके लिए सबसे पहले अंगुठी को दूध, गंगा जल, घी, शहद एवं शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती मंगल देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे मंगल देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न मूंगा धारण कर रहा हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ अं अंगारकाय नम:" का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से घुमाए तत्पश्चात अंगूठी हनुमान जी के चरणों से स्पर्श कराकर अनामिका में धारण करे | मंगल के अच्छे प्रभावों को प्राप्त करने के लिए उच्च कोटि का मूंगा ही धारण करे, मूंगे का रंग लाल और दाग रहित होना चाहिए, मूंगे में कोई दोष नहीं होना चाहिए अन्यथा शुभ प्रभाओं में कमी आ सकती है |

पुखराज रत्न धारण करने की की विधि

पुखराज अथवा येलो सफायर को स्वर्ण की अंगूठी में जड़वाकर किसी भी शुक्ल पक्ष के बृहस्पतिवार के दिन सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करवाकर अथवा करके धारण करें | इसके लिए सबसे पहले अंगुठी को दूध, गंगा जल, शहद, घी एवं शक्कर के घोल में डाल दे, फिर पांच अगरबत्ती बृहस्पति देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे बृहस्पति देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न पुखराज धारण कर रहा हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करें | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ ब्रह्म ब्रहस्पतिये नम:" का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से 108 बार ही घुमाए तत्पश्चात अंगूठी विष्णु जी के चरणों से स्पर्श कराकर तर्जनी अंगुली (अंगूठे से पहली) में धारण करे |

बृहस्पति के अच्छे प्रभावों को प्राप्त करने के लिए उच्च कोटि का पुखराज ही धारण करे, अच्छे प्रभाव के लिए पुखराज का रंग हल्का पीला और दाग रहित होना चाहिए , पुखराज में कोई दोष नहीं होना चाहिए अन्यथा शुभ प्रभावों में कमी आ सकती है | प्रभाहीन, धारीदार, दूधिया रंग वाला, जालदार, काली छींटों से युक्त अथवा सफेद बिन्दुओं से युक्त पुखराज रत्न का धारण अथवा प्रयोग सर्वथा निषेध होता है। लाल छींटे, गड्ढे, खरोंच और एक साथ दो रंगों से युक्त पुखराज रत्न भी अनिष्ट का कारक होता है।

मोती रत्न धारण करने की की विधि

मोती धारण करने के लिए सर्वप्रथम अपना वजन करें व उसको 10 से भाग कर दें जो अंक आये उतने रत्ती का मोती धारण करें | माना की आपका वजन 70 किलो है इसे 10 से भाग करने पर 7 अंक आता है अर्थात आपको सवा सात रत्ती का मोती धारण करना है | मोती को चाँदी की अंगूठी में जड़वाकर किसी भी शुक्लपक्ष के दूसरे सोमवार को सूर्य उदय के पश्चात अंगूठी को दूध, गंगा जल, शक्कर और शहद के घोल में डाल दे | उसके बाद पांच अगरबत्ती चंद्रदेव के नाम जलाये और प्रार्थना करें कि हे चन्द्र देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न, मोती धारण कर रहा हूँ , कृपया करके मुझे आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर “ॐ सों सोमाय नम:” का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से घुमाए फिर मंत्र के पश्चात् अंगूठी को शिवजी के चरणों से लगाकर कनिष्टिका ऊँगली में धारण करे | शुद्ध और श्रेष्ठ मोती गोल, श्वेत, उज्ज्वल, चिकना, चन्द्रमा के समान कान्तियुक्त, निर्मल एवं हल्कापन लिए होता है।

नोट :- ज्योतिषशास्त्र द्वारा संचालित ईकॉमर्स पोर्टल : https://AstroShopper.in के माध्यम से आप विशेषज्ञों द्वारा विशेष विधि से सिद्ध एवं प्राण प्रतिष्ठित किये हुए नेचुरल एवं ऑरिजनल रत्न ऑनलाइन मंगवा सकते हैं |

नोट :- ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं |

यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

उपायों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा असुविधा होने पर ईमेल आईडी care@jyotishshastra.com पर हमें ईमेल करें अथवा 9520039039 पर व्हाट्सऐप करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

— — — — — — — — — — — —

डिस्क्लेमर :- कुंडली विवेचना एवं प्रदत्त परामर्श पूर्णतया आपके द्वारा उपलब्ध कराये गए नाम, लिंग, दिवस, समय एवं स्थान पर आधारित हैं | उपलब्ध नाम, लिंग, दिवस, समय एवं स्थान भिन्न होने पर प्रस्तुत विवेचना एवं परामर्श परिवर्तित हो जायेगा जो आपके जीवन घटनाचक्र से भिन्न होगा |